# अफी और जादुई ढोल

## बेनिन की कहानी

# अफी और जादुई ढोल

## बेनिन की कहानी

थेक्ला मिडिओहौआन, चित्र : हेक्टर

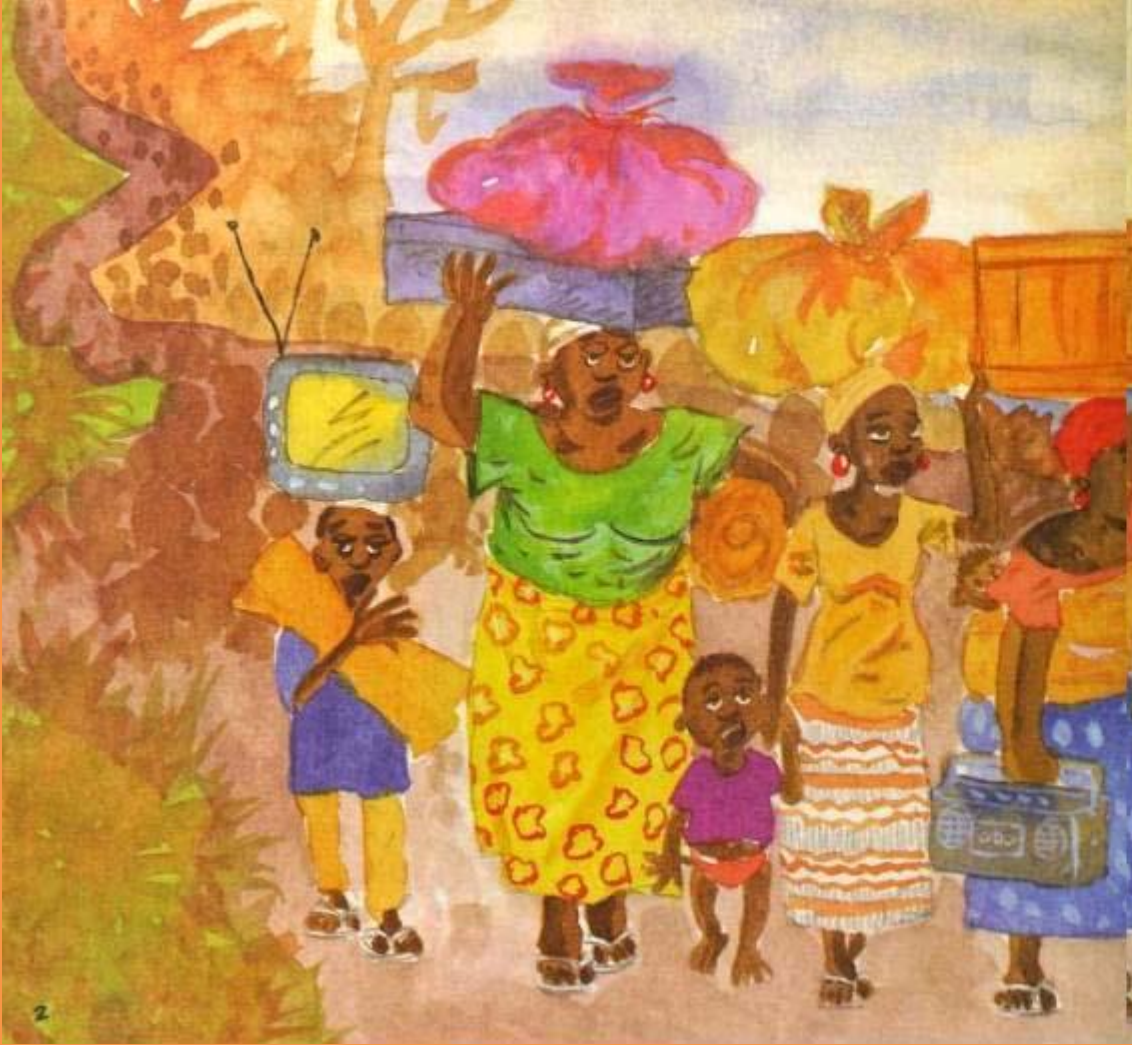

एक दिन अफी के देश में युद्ध छिड़ गया. किसी सुरक्षित जगह की तलाश में वो और उसके माता-पिता अपना गांव छोड़कर भाग निकले. भीड़ में अफी खो गई. उसने बहुत कोशिश की लेकिन वो अपने माता-पिता को नहीं ढूंढ पाई.

"वे कहाँ हैं? उन्होंने कौन सी सड़क ली है?" उसने खुद से पूछा.

अफी एकदम अकेली थी. वो रोने लगी. वो दिन भर और रात भर रोती रही. उसकी आँखें आँसुओं से इतनी भरी गईं कि वो अब और नहीं देख सकती थी.

अफी बहुत देर तक अकेली चलती रही. आखिर में वो इतनी थक गई कि वो सड़क के किनारे लेट गई और फिर गहरी नींद में सो गई.

जंगल में केवल उल्लू ही ऐसे प्राणी थे जो सोते समय उसे देख रहे थे.

अफी जाग गई. एक बूढ़ा उसे हिला रहा था.

"उठो छोटी बच्ची," उसने कहा. "एक छोटी लड़की यहाँ अकेले क्या कर रही है? उसे भूख लगी होगी. अरे! छोटी लड़की, उठो और मेरे साथ चलो."

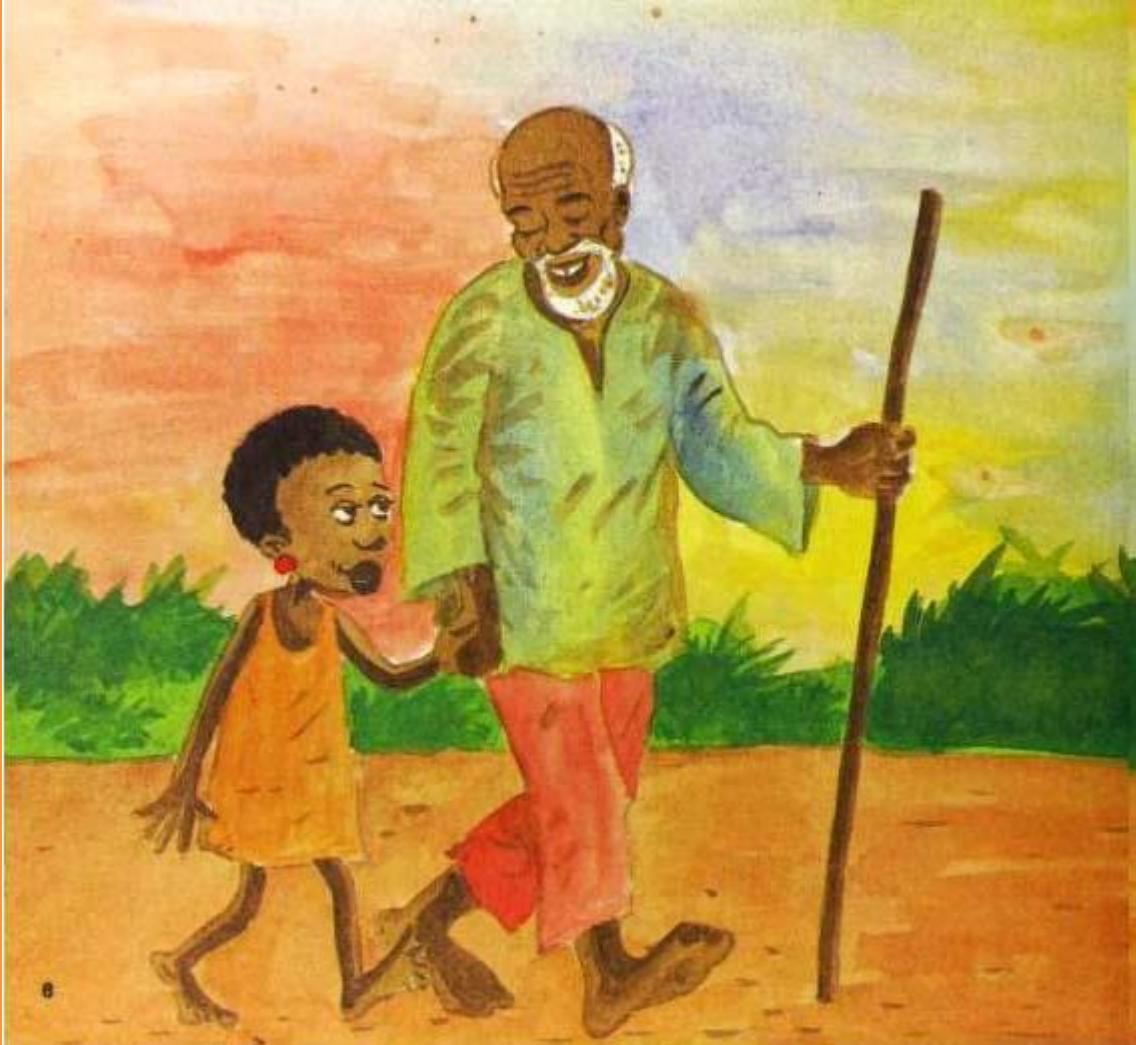

अफी बूढ़े आदमी के साथ चल पड़ी.

"अच्छी किस्मत है, कोई तो इंसान मिला!" अफी ने सोचा. "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो बूढ़ा है और थोड़ा गंदा है."

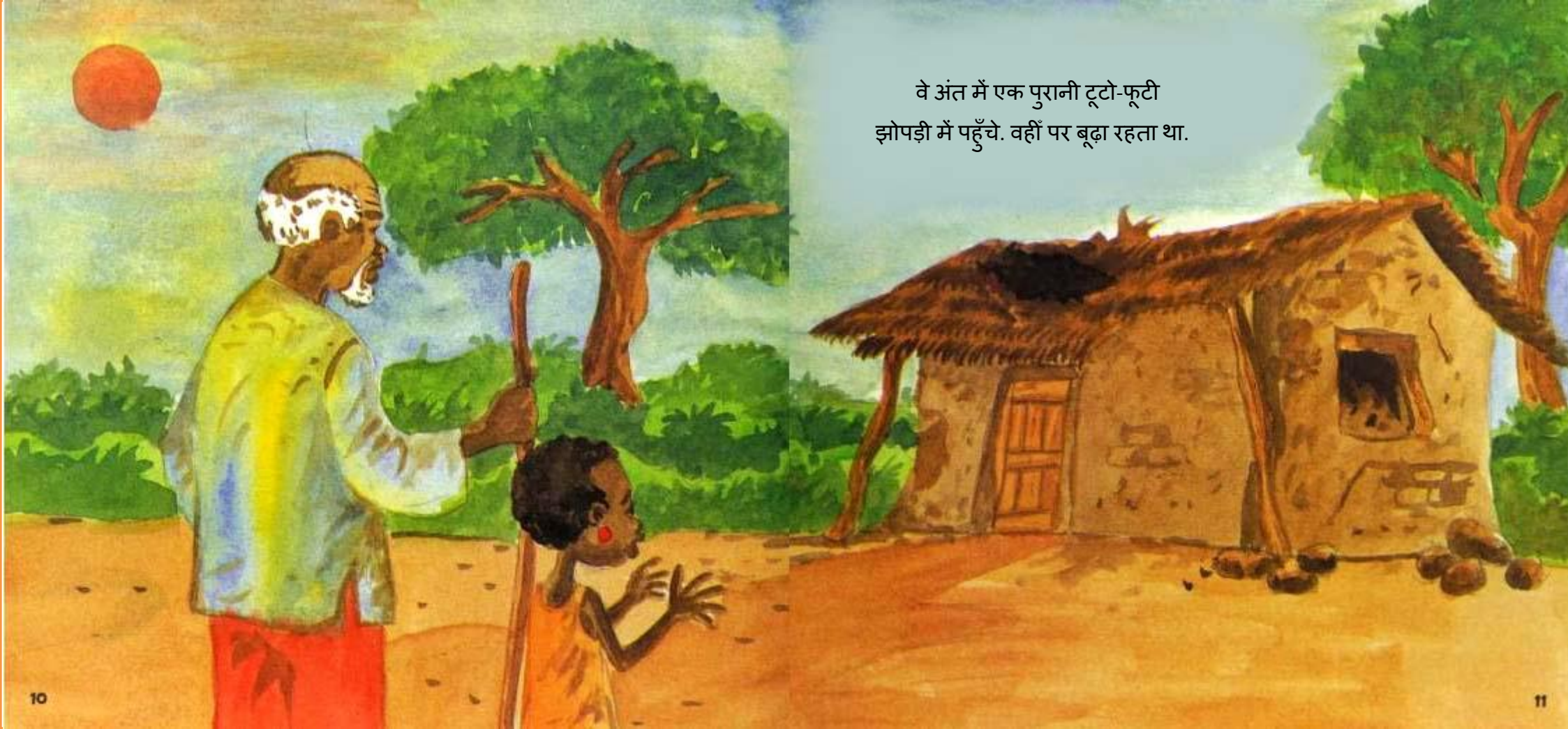

वे अंत में एक पुरानी टूटो-फूटी
झोपड़ी में पहुँचे. वहीँ पर बूढ़ा रहता था.

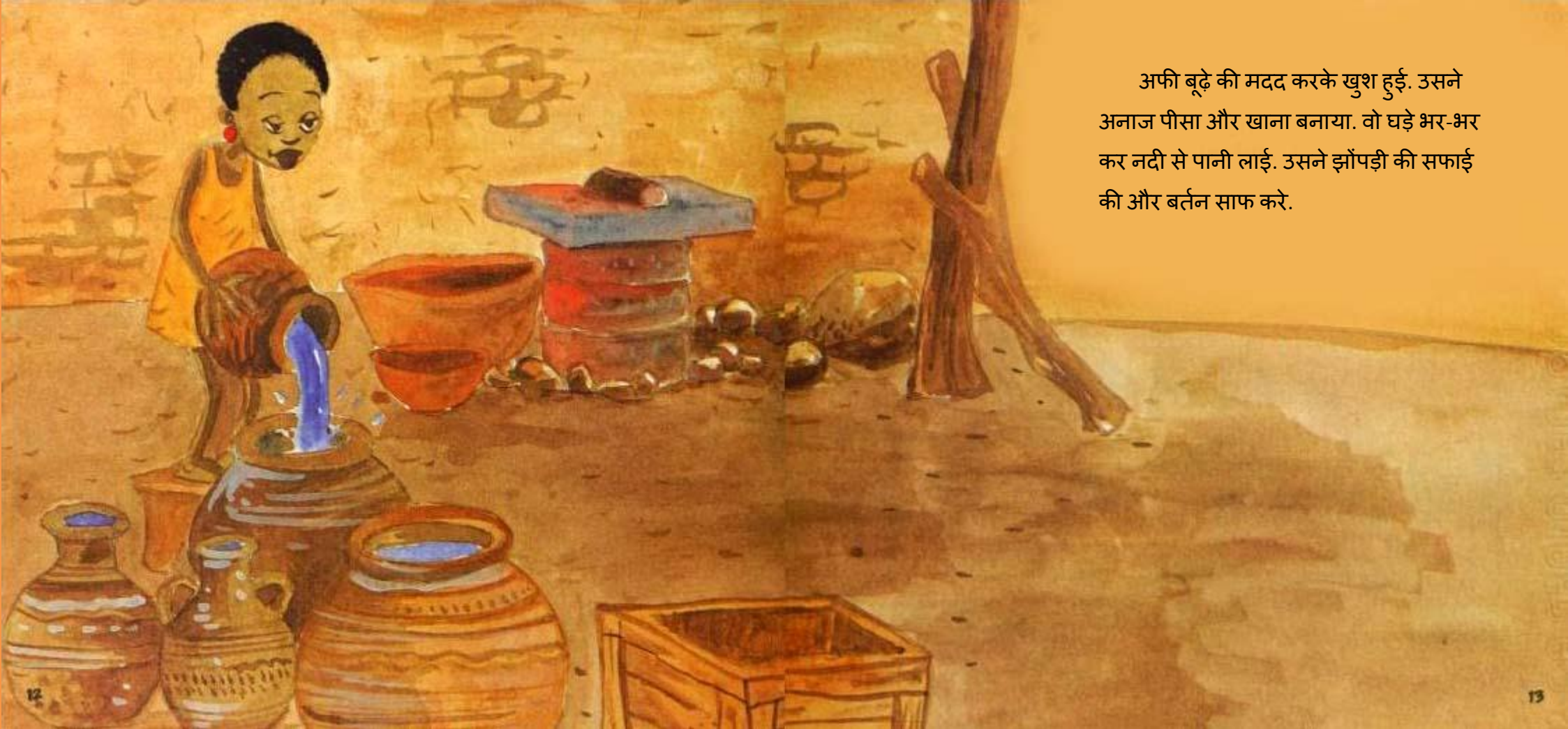

अफी बूढ़े की मदद करके खुश हुई. उसने अनाज पीसा और खाना बनाया. वो घड़े भर-भर कर नदी से पानी लाई. उसने झोंपड़ी की सफाई की और बर्तन साफ करे.

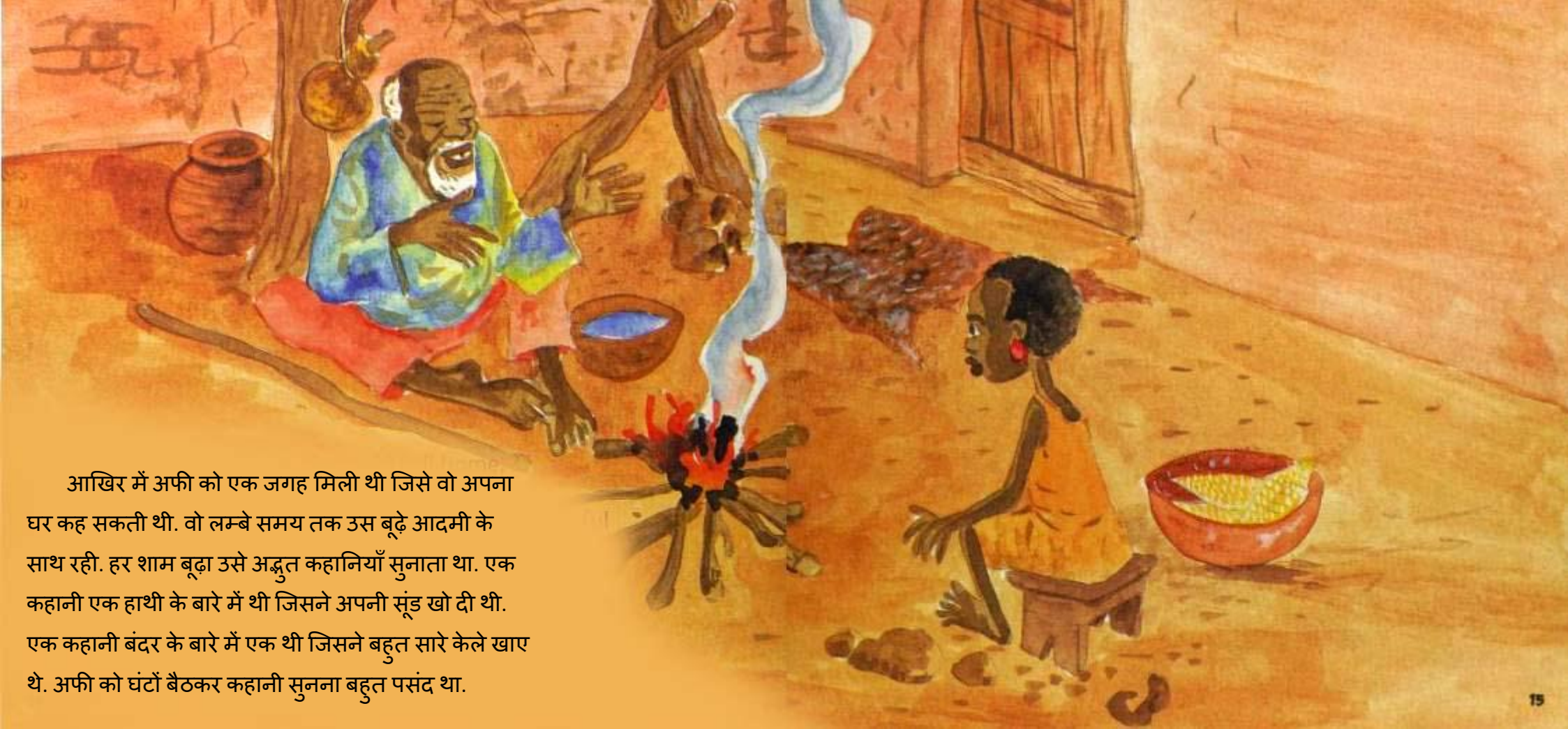

आखिर में अफी को एक जगह मिली थी जिसे वो अपना घर कह सकती थी. वो लम्बे समय तक उस बूढ़े आदमी के साथ रही. हर शाम बूढ़ा उसे अद्भुत कहानियाँ सुनाता था. एक कहानी एक हाथी के बारे में थी जिसने अपनी सूंड खो दी थी. एक कहानी बंदर के बारे में एक थी जिसने बहुत सारे केले खाए थे. अफी को घंटों बैठकर कहानी सुनना बहुत पसंद था.

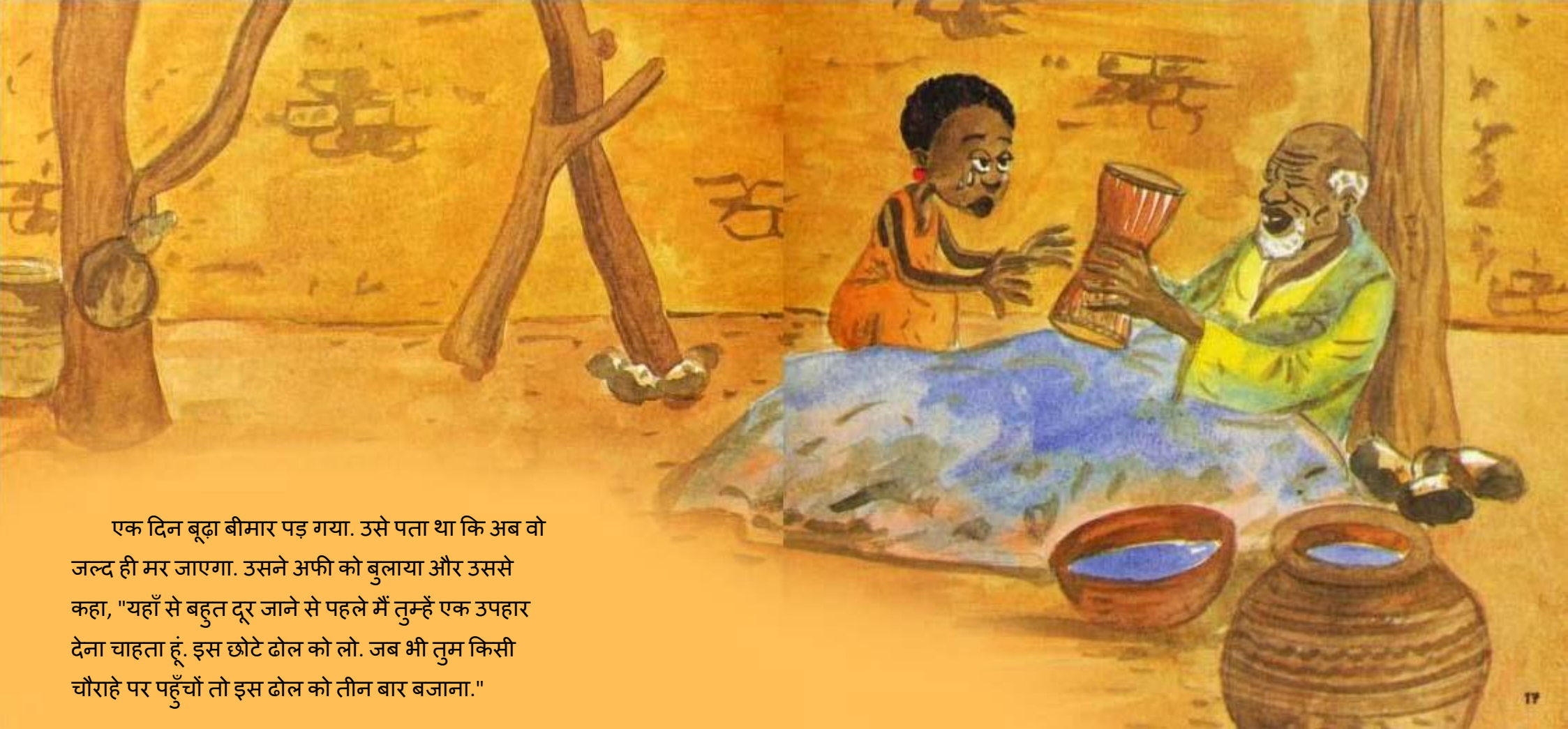

एक दिन बूढ़ा बीमार पड़ गया. उसे पता था कि अब वो जल्द ही मर जाएगा. उसने अफी को बुलाया और उससे कहा, "यहाँ से बहुत दूर जाने से पहले मैं तुम्हें एक उपहार देना चाहता हूं. इस छोटे ढोल को लो. जब भी तुम किसी चौराहे पर पहुँचों तो इस ढोल को तीन बार बजाना."

अफी बहुत दुखी हुई. उसने अपना अच्छा दोस्त खो दिया था. अब उसका क्या होगा?

वो बूढ़े की कुटिया छोड़कर चली गई. वो बहुत देर तक चली, अंत में वो एक चौराहे पर पहुंची. उसे बूढ़े की बताई बात याद आई. उसने तीन बार ढोल बजाया: टम, टम, टम!

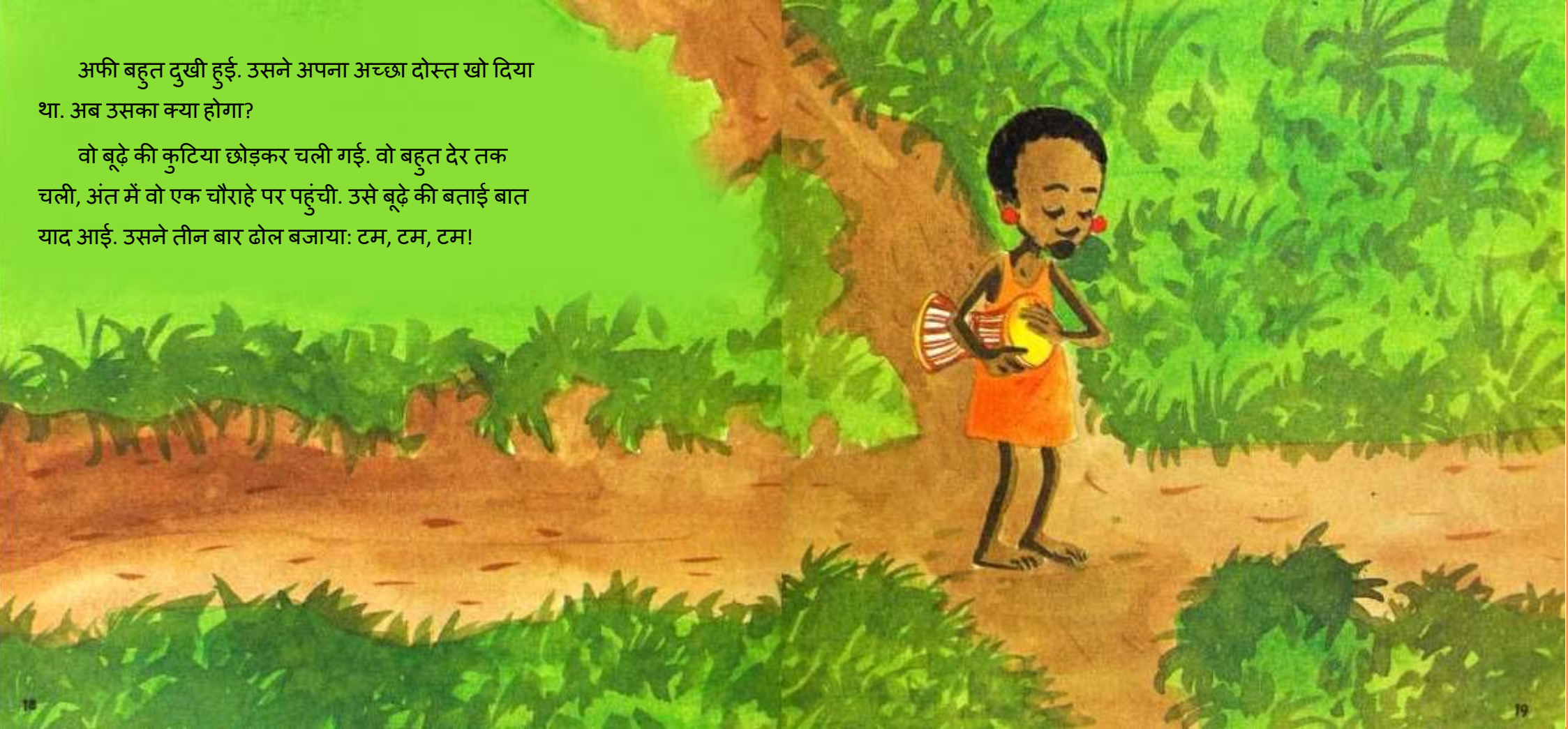

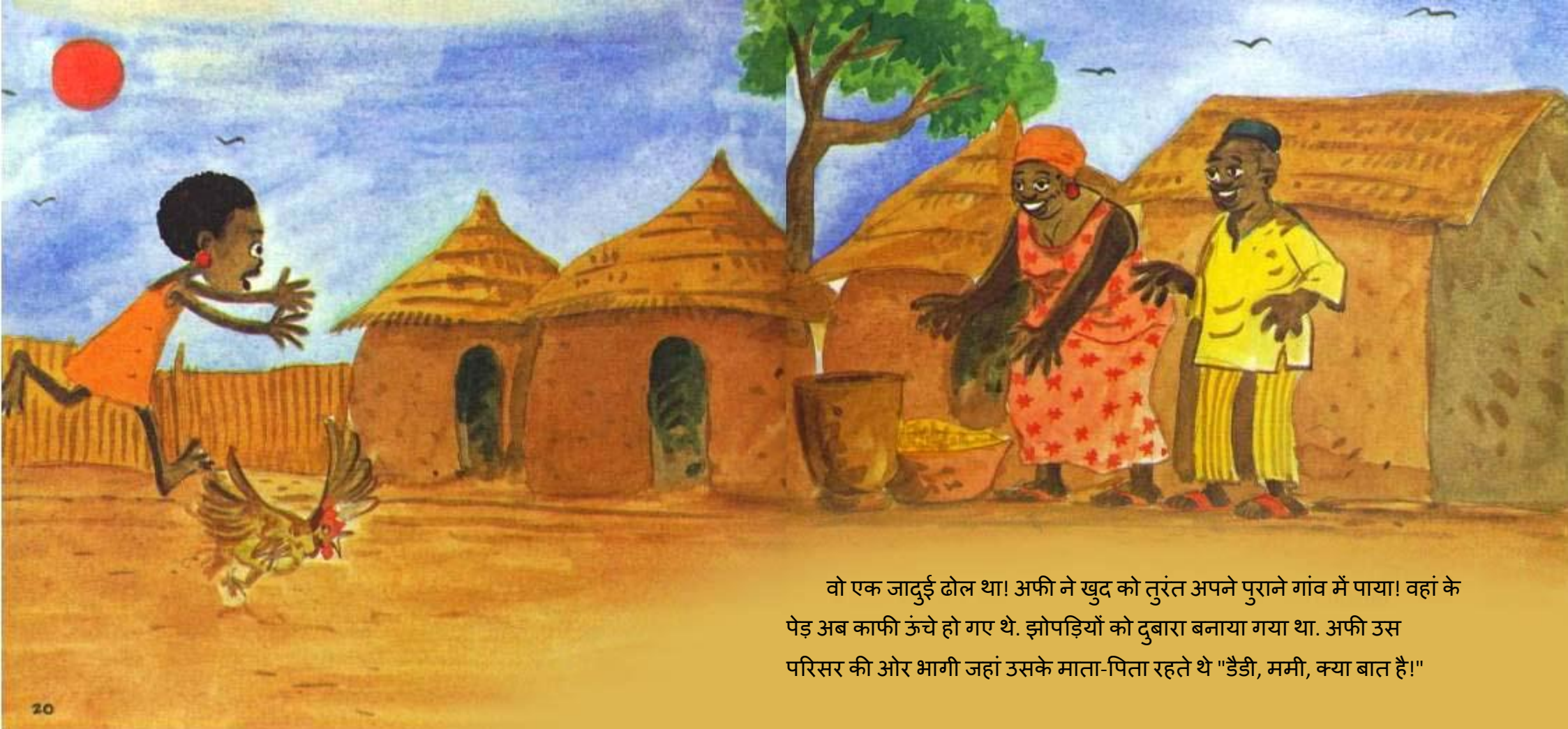

वो एक जादुई ढोल था! अफी ने खुद को तुरंत अपने पुराने गांव में पाया! वहां के पेड़ अब काफी ऊंचे हो गए थे. झोपड़ियों को दुबारा बनाया गया था. अफी उस परिसर की ओर भागी जहां उसके माता-पिता रहते थे "डैडी, ममी, क्या बात है!"

वो उनकी बाहों में कूद गई.

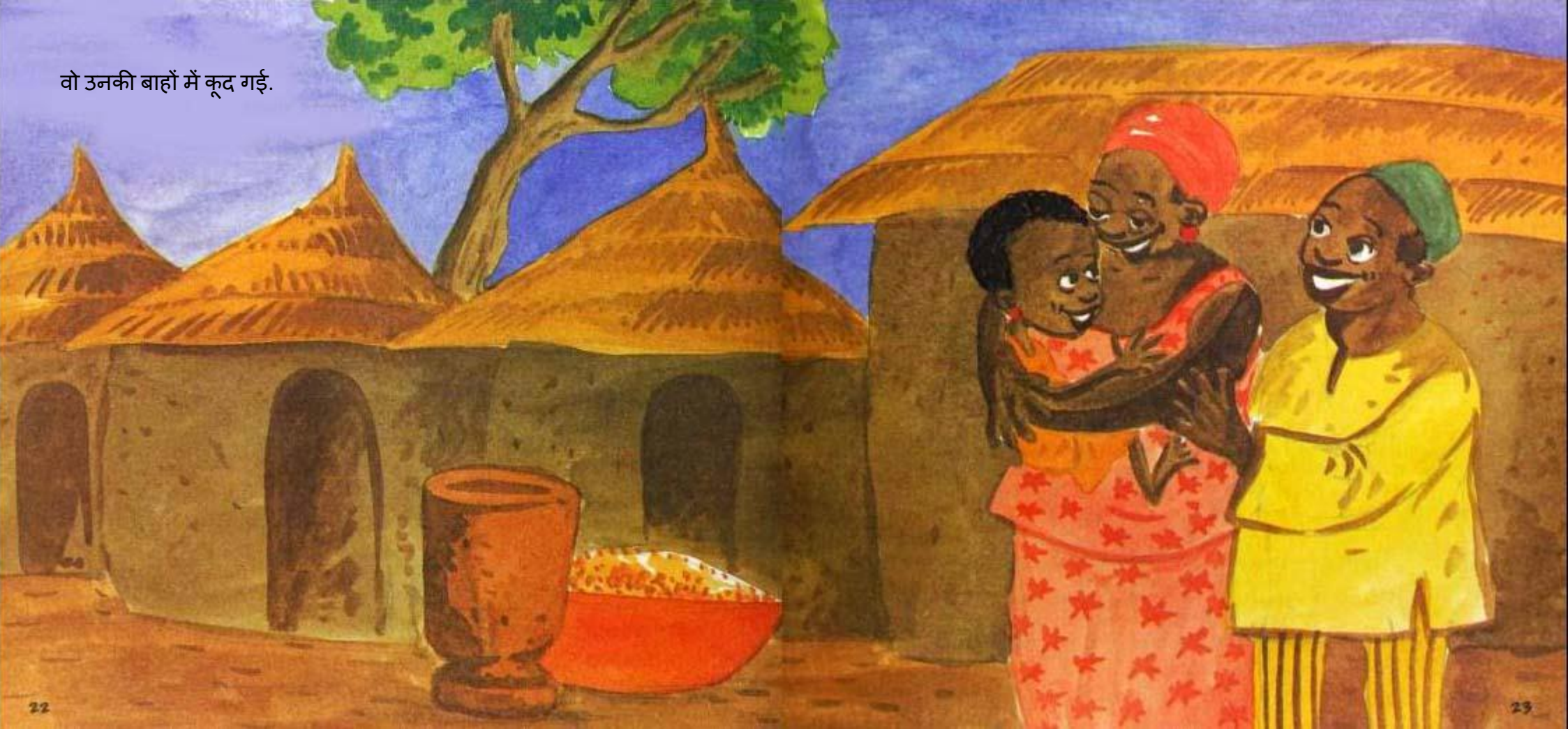

# अफी और जादुई ढोल

युद्ध लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर
करता है, तब अक्सर बच्चे खो जाते हैं
और अफी के साथ भी वैसा ही होता है.
लेकिन सौभाग्य से, वो एक बड़े दिल वाले
एक नेक बूढ़े आदमी से मिलती है
और वो उसे एक जादुई ढोल देता है!